19.07.2019

प्रेस विज्ञप्ति

दिनांक 18 जुलाई 2019 को किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय के सेल्बी हॉल में Internal Quality Assurance Cell के सदस्यो की बैठक हुई। जिसमें विश्वविद्यालय पर्यावरण विभाग के कार्यों की समीक्षा, विभागाध्यक्ष डा0 कीर्ति श्रीवास्तव द्वारा प्रस्तुत की गयी। जिसमें उन्होंने विभाग केम्पस की स्वच्छता, Green initiative, मरीजों की किचन सर्विस, किट–नियंत्रण, एक्यूप्रेशर चिकित्सा और पार्किंग व्यवस्था पर बात की।

पिछले कुछ वर्षों में विश्वविद्याालय पर्यावरण विभाग के मेहनत के परिणाम स्वरूप अस्पताल का कचरा छट कर के आने लगा, जिसमें संक्रमित बेकार कचरा अब 18% ही रह गया है जिसे ऑटाक्लेव और रिसाइकल किया जाता है। पहले सारा कचरा वेस्ट होता था जिससे रिसाइकल करने में अधिक खर्चा आता था अब यह खर्च कम हो गया है। अब इस पर विचार चल रहा है कि कैसे कचरे के बैग पर बारकोड लगा कर उन्हें ट्रेक किया जाय। इ–वेस्ट कूड़े को भी बाकी कूड़े से अलग पृथक किया जाय। इस पर भी विचार चल रहा है।

हर भवन को स्वच्छ रखने के लिए निरक्षक नियुक्त कर दिया गया है ताकि स्वच्छता बनी रहें। सोलर सिस्टम पैराबोल से उत्पन्न स्टीम का किचन और लॉन्डरी में प्रयोग किये जाने पर सुझाव दिया गया।

कई भवन पुराने होने के कारण सीवर सिस्टम भी खराब हो गये है। इसकी मरम्मत के लिए आउट सोर्स के प्रावधान पर भी विचार किया जा रहा है। विभागों में कार्यरत कर्मचारियो तथा संकाय सदस्यों का हेपेटाइटिस बी वैक्सीन के टिकाकरण हेतु यह सुझाव दिया गया कि विद्यार्थी के प्रवेश करते ही हेपेटाइटिस बी वैक्सीन का टिकाकरण कर दिया जाए।